प्रखर सिद्धांतों पर आधारित पुणे और मुंबई से प्रकाशित हिंदी दैनिक

सिद्धांत समाचार

वर्ष १६ — अंक ३६१ — शुक्रवार १५ मई २०२६ पुणे RNI NO.MAH HIN/2005/15277 २ रूपए

siddhantsamachar.com @SiddhantSamachar facebook.com/siddhantsamachar siddhantsamachar@gmail.com

2026-27
ADMISSION
OPEN

For Apply
Scan QR code

CAYMET'S | SIDDHANT GROUP OF INSTITUTIONS
SUDUMBARE, PUNE

Highlights at Siddhant Group of Institutions, Pune

21+ YEARS IN QUALITY EDUCATION
7+ INSTITUTES
300+ TEACHING STAFF
150+ RECRUITERS
7900+ PLACEMENTS
10,000+ ALUMNI ACROSS THE GLOBE

SGI Proudly Emerges As An Initiative of the Prestigious CAYMET

BACHELOR OF ENGINEERING (B.E.)
DTE CODE: 6149

COMPUTER ENGINEERING.	180
INFORMATION TECHNOLOGY.	60
ARTIFICIAL INTELLIGENCE & DATA SCIENCE.	120
ARTIFICIAL INTELLIGENCE & MACHINE LEARNING	120
INTERNATE OF THINGS	60
ELECTRONICS & COMPUTER ENGINEERING.	120
ELECTRONICS & TELECOMMUNICATION	60
MECHANICAL ENGINEERING	60
CYBER SECURITY	60
ELECTRICAL ENGINEERING	60
CIVIL ENGINEERING	60

DIPLOMA ENGINEERING
DTE CODE: 6149

ARTIFICIAL INTELLIGENCE & MACHINE LEARNING	60
ELECTRICAL ENGINEERING	60
COMPUTER ENGINEERING	60
CIVIL ENGINEERING	60
MECHANICAL ENGINEERING	60
ELECTRONICS & TELECOMMUNICATION	60

MASTER OF ENGINEERING (M.E.)
DTE CODE: 6149

M.E. - COMPUTER (COMPUTER ENGINEERING)	18
M.E. - E & TC (VLSI & EMBEDDED SYSTEM)	18
M.E. - MECHANICAL (DESIGN ENGINEERING)	24
M.E. - INFORMATION TECHNOLOGY	24

M. B. A.
DTE CODE: MB-6134
(Master of Business Administration)
SPECIALIZATION
Marketing Management
Financial Management
Human Resource Management
Operations Management
Information Technology

M. C. A.
DTE CODE: 6240
(Master of Computer Application)

NURSERY to XII STD.
(XI & XII - Science & Commerce)

BACHELOR OF PHARMACY
DTE CODE: PH-6258

DIPLOMA in PHARMACY
DTE CODE: D-6515

MASTER OF PHARMACY
DTE CODE: MPH-6258
Pharmaceutics
Quality Assurance Technique

DIPLOMA in PHARMACY (WOMEN)
DTE CODE: D-6922

B.B.A
(Bachelor of Business Administration)
B.COM
(Bachelor of Commerce)
B.C. A.
(Bachelor of Business Administration in Computer Application)

ENGG.: +91 99239 06993
PHARMACY: +91 98225 34771
MBA: +91 94232 70598
MCA: +91 985000 5059
BBA | BCA | BCOM: +91 96894 93733
Nursery to 12th STD.: +91 99238 27999

- SIDDHANT COLLEGE OF ENGINEERING www.siddhantcoe.in
- SIDDHANT COLLEGE OF PHARMACY www.siddhantcop.in
- SIDDHANT SCHOOL OF PHARMACY WOMEN www.siddhantsopw.in
- SIDDHANT INSTITUTE OF BUSINESS MANAGEMENT www.siddhantibm.in
- SIDDHANT INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES www.siddhantmgtstudies.in
- SIDDHANT INSTITUTE OF COMPUTER APPLICATION www.siddhantica.in
- SIDDHANT INTERNATIONAL SCHOOL www.siddhantischool.com

Add. : Chakan- Talegaon Road, Sudumbare, Pune 412109 | admissionsiddhant@gmail.com | www.siddhantgroupedu.in

सिद्धांत समाचार
शुक्रवार १५ मई २०२६

एमेजॉन द्वारा स्थापित द क्लाईमेट प्लेज ने सी40 शहरों के सहयोग से भारत में फ्रेट हाईवे का इलेक्ट्रिफिकेशन का ब्लूप्रिंट पेश किया

एमेजॉन द्वारा स्थापित द क्लाईमेट प्लेज (टीसीपी) ने आज सी40 सिटीज (क्लाईमेट एक्शन पर काम करने वाले दुनिया के लगभग 100 शहरों के नेटवर्क) के सहयोग से फ्रेट ट्रांसपोर्ट को डीजल से जीरो एग्जॉस्ट एमिशन बैटरी इलेक्ट्रिक ट्रक्स में बदलने के लिए भारत का पहला प्रमाण आधारित रोडमैप पेश किया। नेशनल ई.वी हाईवे गाईडेंस फ्रेमवर्क में साल 2027 तक भारत के सबसे व्यस्त फ्रेट मार्गों को इलेक्ट्रिफाई करने के लिए एक चरणबद्ध प्लान की पेशकश की गई है, जिसकी शुरुआत भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा चुने गए 20 प्राथमिक हाईवे से होगी। इसके बाद इसका विस्तार औद्योगिक केंद्रों एवं पोर्ट्स तक किया जाएगा और अंत में साल 2035 तक एक सुगम, ई.वी–रेडी नेशनल फ्रेट नेटवर्क स्थापित कर दिया जाएगा (''फ्रेमवर्क'')। भारत में फ्रेट की मांग आने वाले सालों में काफी ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है, जिसके कारण स्वच्छ ट्रांसपोर्ट विकल्पों की जरूरत बढ़ेगी। देश में 70 प्रतिशत वस्तुओं का ट्रांसपोर्ट सड़कों के माध्यम से ही होता है। मीडियम और हैवी–ड्यूटी ट्रक सड़क पर मौजूद वाहनों के केवल 3 प्रतिशत हैं, पर पार्टिकुलेट एमिशन में इनका योगदान 53 प्रतिशत है। साल 2050 तक इनकी मांग चार गुना से अधिक बढ़ जाएगी। ऐसे में एमिशन को कम करने और एफिशियंसी बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिक फ्रेट का विस्तार महत्वपूर्ण है। इस फ्रेमवर्क में इलेक्ट्रिफिकेशन और सस्टेनेबल मोबिलिटी पर सरकार के जोर के अनुरूप व्यवहारिक तरीके सुझाए गए हैं, जिससे भारत को साल 2070 तक नेट–जीरो एमिशन का लक्ष्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी। डॉ. ओ. पी. अग्रवाल, डिस्टिंग्विश्ड फैलो, नीति आयोग ने कहा, ''स्वच्छ फ्रेट की ओर भारत के सफर के लिए सरकार और उद्योग के बीच मजबूत सहयोग की जरूरत होगी। आज लेनशिफ्ट प्रोग्राम के अंतर्गत लॉन्च किया गया ई.वी हाईवे गाईडेंस फ्रेमवर्क इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे देश में इलेक्ट्रिक ट्रकिंग के लिए एक व्यापक पाथवे बनाने में मदद मिलेगी। ई–फास्ट इंडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से नीति आयोग लॉजिस्टिक्स ऑपरेटरों, ओ.ई.एम, एनर्जी प्रोवाईडर्स और फाईनेंशियल इंस्टीट्यूशंस को एक साथ ला रहा है, जिससे फ्रेट के इलेक्ट्रिफिकेशन का ईकोसिस्टम स्थापित करने में मदद मिलेगी। इन प्रयासों और सी40 सिटीज की पार्टनरशिप के साथ क्लाईमेट प्लेज और प्राईवेट सेक्टर के हितधारक, जैसे एमेजॉन और अशोक लेलैंड प्रदर्शित कर रहे हैं कि सहयोगपूर्वक काम करके किस प्रकार इलेक्ट्रिक फ्रेट को पायलट से बड़े स्तर पर उपयोग तक पहुँचाया जा सकता है। अभिनव सिंह, वी.पी, ऑपरेशंस, भारत एवं ऑस्ट्रेलिया, एमेजॉन ने कहा, ''हम अपने ऑपरेशंस को ज्यादा सस्टेनेबल बनाने में निवेश कर रहे हैं। इसके लिए हमारे लॉजिस्टिक्स को इलेक्ट्रिफाई करना बहुत जरूरी है। क्लाईमेट प्लेज के माध्यम से हम अपने हितधारकों के साथ मिलकर भारत में इलेक्ट्रिक फ्रेट सॉल्यूशंस का विस्तार कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के नतीजे और फ्रेमवर्क उत्साहवर्धक हैं। इनसे इलेक्ट्रिक फ्रेट को बढ़ावा देने में सरकार और उद्योग के बीच लगातार सहयोग के महत्व को बल मिलता है।'' इस फ्रेमवर्क के लिए लेनशिफ्ट पायलट प्रोजेक्ट द्वारा प्राप्त की गई जानकारी का इस्तेमाल किया गया है। यह पायलट सी40 सिटीज और द क्लाईमेट प्लेज द्वारा चलाया गया था, जिसमें ट्रक निर्माताओं, फ्लीट ऑपरेटर्स, लॉजिस्टिक्स प्रदाताओं और फाईनेंसर्स ने हिस्सा लेकर इलेक्ट्रिक फ्रेट का परीक्षण किया। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत, इलेक्ट्रिक ट्रक्स ने बैंगलुरु–चेन्नई कॉरिडोर पर 600 ट्रिप्स पूरी कीं। विभिन्न सेक्टरों में 200,000 किलोमीटर से अधिक दूरी तय की। परफॉर्मेंस, विश्वसनीयता और लागत पर जानकारी एकत्रित की, तथा दीर्घकालिक कॉन्ट्रैक्ट द्वारा इसे बढ़ावा दिया। स्केलेबिलिटी का आकलन करने के लिए इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को जोड़ने वाले गोल्डन क्वाड्रिलेटरल पर 6,500 किलोमीटर का पायलट चलाया गया। लेनशिफ्ट प्रोजेक्ट में हर तरह के उपयोग के लिए इलेक्ट्रिक फ्रेट की उपयोगिता प्रदर्शित हुई, जिसके द्वारा 400 किलोमीटर प्रति दिन से अधिक की दूरी तय की जा सकती है। इस प्रोजेक्ट के दौरान इलेक्ट्रिक ट्रक के ऑर्डर्स में 4.2 गुना बढ़ोत्तरी दर्ज हुई और दीर्घकालिक कमर्शियल कॉन्ट्रैक्ट भी किए गए, जिससे इसके ऊपर बाजार का बढ़ता भरोसा प्रदर्शित होता है। नैम केरुवाला, रीजनल डायरेक्टर, साउथ एवं वेस्ट एशिया, सी40 सिटीज ने कहा, ''फ्रेट को डीकार्बोनाईज करना कोई भविष्य का लक्ष्य नहीं है। यह देश के आर्थिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए तुरंत आवश्यक है। लेनशिफ्ट ने प्रदर्शित किया है कि जीरो–एग्जॉस्ट–एमिशन ट्रक लंबे हॉल के कॉरिडोर पर चल सकते हैं। इनकी लागत कम हो रही है और जब सही स्टेकहोल्डर्स के प्रयासों में तालमेल बनेगा, तब इसकी बाधाएं दूर होंगी। भारत में विस्तार है, यहाँ पॉलिसी में गति है तथा उद्योग में इसे बढ़ावा देने की क्षमता है।''

जीजेसी ने नए कार्यालय का उद्घाटन किया

मुंबई – ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी), जो पूरे भारत में छह लाख से ज्यादा जौहरियों का प्रतिनिधित्व करती है, ने मुंबई के परेल ईस्ट स्थित 'ट्रस्ट हाउस' में अपने नए दफ्तर के उद्घाटन के साथ अपनी यात्रा में एक और अहम पड़ाव हासिल किया है। पिछले दो दशकों में, जीजेसी एक प्रमुख राष्ट्रीय व्यापारिक संस्था के तौर पर उभरी है, जो नीतिगत सुधारों की वकालत करती है, पारदर्शिता को बढ़ावा देती है, जिम्मेदार व्यापारिक तरीकों को प्रोत्साहित करती है, और रत्न व आभूषण क्षेत्र से जुड़े कारीगरों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करती है। इस नए दफ्तर का उद्घाटन जीजेसी के लगातार हो रहे संस्थागत विकास और राष्ट्रीय स्तर पर उद्योग के प्रतिनिधित्व व हितधारकों की भागीदारी को मजबूत करने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में पूरे देश से उद्योग के प्रमुख नेताओं, संघों, हितधारकों और व्यापारिक समुदाय के सदस्यों की उपस्थिति देखने को मिली, जिन्होंने उद्योग की सेवा के जीजेसी के निरंतर सफर में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाया। 13 मई 2026 को, जीजेसी ने एक राष्ट्रव्यापी वर्चुअल बैठक भी आयोजित की, जिसमें चेयरमैन श्री राजेश रोकड़े, वाइस चेयरमैन श्री अविनाश गुप्ता, पूर्व चेयरमैन (जिनमें श्री अशोक मीनावाला और श्री संयम मेहरा शामिल थे), वरिष्ठ उद्योग जगत के नेता श्री नितिन खंडेलवाल, जोनल समिति के सदस्य, व्यापार संघ और पूरे भारत से आए जौहरियों ने भाग लिया। यह बैठक सरकार के हालिया आर्थिक उपायों पर विचार–विमर्श करने के लिए आयोजित की गई थी, जिनमें सोने और चांदी पर कस्टम ड्यूटी में बदलाव, व्यापक मैक्रोइकोनॉमिक चिंताएं, और राष्ट्रीय आर्थिक प्राथमिकताओं को समर्थन देने में उद्योग की रचनात्मक भागीदारी की आवश्यकता शामिल थी। चर्चाओं के दौरान, उद्योग ने चालू खाता घाटा (सीएडी), विदेशी मुद्रा प्रबंधन और मौजूदा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं से संबंधित सरकार की चिंताओं को स्वीकार किया। जीजेसी ने दोहराया कि रत्न और आभूषण उद्योग हमेशा कठिन आर्थिक दौर में राष्ट्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा है, और मैक्रोइकोनॉमिक स्थिरता को मजबूत करने तथा विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करने के उद्देश्य से किए गए उपायों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। हाल ही में सीमा शुल्क में किए गए संशोधनों के परिणामस्वरूप सोने और चांदी की लैंडिंग लागत बढ़ गई है, जिससे बाजार की गतिशीलता और उपभोक्ताओं के खरीदारी व्यवहार पर असर पड़ा है। जीजेसी ने गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम (जीएमएस) को फिर से सक्रिय करने के लिए व्यवस्थित सुझाव पेश करते हुए, उद्योग की एकता और सरकार के साथ रचनात्मक जुड़ाव के महत्व पर जोर दिया। सदस्यों ने जिम्मेदार उपभोग के तरीकों को बढ़ावा देने की जरूरत पर विचार–विमर्श किया, जिसमें वैल्यू–एडेड ज्वेलरी की खरीद और पुराने सोने की अदला–बदली के तरीकों पर ज्यादा जोर दिया गयाय साथ ही, अंतिम उपभोक्ताओं को शुद्ध सोने की बार बेचने को हतोत्साहित करने पर भी चर्चा हुई। उद्योग ने औपचारिक अर्थव्यवस्था के भीतर घरों में बेकार पड़े सोने के पुनर्चक्रण और उसके प्रचलन को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। जीजेसी के चेयरमैन, श्री राजेश रोकड़े ने कहा, "हम श्री अजय सांचेती जी, श्री पंकज भोयर जी और श्रीमती चित्रा वाघ जी का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने इस अहम मौके पर आकर और अपनी मौजूदगी से इंडस्ट्री का हौसला बढ़ाया। जीजेसी के नए ऑफिस का उद्घाटन काउंसिल के लिए एक अहम संस्थागत मील का पत्थर है और यह भारतीय रत्न और आभूषण समुदाय की सामूहिक ताकत और एकता को दिखाता है।" इस महत्वपूर्ण मोड़ पर, जीजेसी और पूरा उद्योग देश के साथ मजबूती से खड़ा है और व्यापक राष्ट्रीय हित में सरकार द्वारा लिए गए नीतिगत निर्णयों का सम्मान करता है। भारत के रत्न और आभूषण क्षेत्र ने ऐतिहासिक रूप से आर्थिक बदलाव के दौर में लचीलापन, अनुशासन और अनुकूलन क्षमता का प्रदर्शन किया है, और हमें विश्वास है कि यह व्यापार जिम्मेदारी से काम करना जारी रखेगा और राष्ट्रीय आर्थिक प्राथमिकताओं में सकारात्मक योगदान देगा। जीजेसी ने अपने सदस्यों से आग्रह किया है कि वे आम ग्राहकों को शुद्ध सोने की बार बेचने को हतोत्साहित करें और पुराने सोने के बदले नया सोना लेने की व्यवस्था को मजबूत करके ज्वेलरी की बिक्री को बढ़ावा देंय साथ ही, उन उपायों का समर्थन करें जिनसे आयात और चालू खाता घाटे (सीएडी) पर दबाव कम करने में मदद मिले। हमारा मानना घ्छै कि कस्टम ड्यूटी में मौजूदा बदलाव, मौजूदा हालात को देखते हुए अपनाई गई एक सोची–समझी आर्थिक रणनीति का हिस्सा हैं, और इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को शांत, आत्मविश्वासी और सकारात्मक नजरिया बनाए रखना चाहिए। जीजेसी इस क्षेत्र में लंबे समय तक स्थिरता, ग्राहकों का भरोसा और लगातार विकास सुनिश्चित करने के लिए सरकार और सभी संबंधित पक्षों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। जीजेसी के वाइस चेयरमैन, श्री अविनाश गुप्ता ने कहा, "जीजेसी के अपने ऑफिस की स्थापना एक गर्व का पल है, जो भारतीय रत्न और आभूषण समुदाय के आत्मविश्वास, एकता और प्रगति को दिखाता है। यह उपलब्धि सभी पिछले चेयरमैन, संस्थापक सदस्यों, उद्योग के नेताओं और सबसे महत्वपूर्ण रूप से हमारे सम्मानित सदस्यों की सोच, समर्पण और योगदान का नतीजा है, जिन्होंने पिछले दो दशकों में जीजेसी को मजबूत बनाया है। सोना और आभूषण भारत की अर्थव्यवस्था, परंपराओं और घरेलू बचत की संस्कृति से गहरे तौर पर जुड़े हुए हैं। इस मोड़ पर, उद्योग को जिम्मेदारी से अपना कारोबार जारी रखना चाहिए, साथ ही कारीगरों, व्यापारियों और ग्राहकों को आत्मविश्वास और स्थिरता के साथ सहयोग देना चाहिए। जीजेसी देश की बड़ी आर्थिक प्राथमिकताओं का पूरी तरह से समर्थन करता है और हितधारकों के हितों की रक्षा करने तथा इस क्षेत्र की लंबे समय तक चलने वाली वृद्धि और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए नीति निर्माताओं के साथ रचनात्मक जुड़ाव बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने एक नई गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम (जीएमएस) के लिए एक व्यवस्थित रोडमैप भी पेश किया है, जिसका मकसद घरों में बेकार पड़े सोने को इस्तेमाल में लाना, औपचारिकरण को मजबूत करना, आयात पर निर्भरता कम करना, और रत्न व आभूषण क्षेत्र में भारत की लंबे समय तक चलने वाली आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता को सहयोग देना तथा 'आत्मनिर्भर भारत' को बढ़ावा देना है।"

यह समाचार पत्र प्रकाशक, मुद्रक, मालिक व संपादक : श्री राजेंद्र सिंह यादव द्वारा, सिद्धांत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सुदंबरे, चाकन – तलेगांव रोड, पुणे – ४१२१०६ से प्रकाशित किया जाता है।
RNI NO.MAH HIN/2005/15277
www.siddhantsamachar.com / E-mail : siddhantsamacharpune@gmail.com / Phone : 9 8707 99 813
इस अखबार में छपी सभी खबरों के लिए संपादक सहमत है ऐसा नहीं। न्यायालयीन विवाद के लिए कार्यक्षेत्र पुणे रहेगा।

पीएफसी 33,625 करोड़ के रिकॉर्ड मुनाफे के साथ बनी देश की नंबर-1 एनबीएफसी

पावर सेक्टर की दिग्गज कंपनी पॉवर फाइनेंस कारपोरेशन (पीएफसी) ने वित्त वर्ष 2025–26 में अपनी सफलता की एक नई पटकथा लिखी है। कंपनी ने न केवल रिकॉर्ड तोड़ मुनाफा दर्ज किया है, बल्कि अपनी एसेट क्वालिटी और बैलेंस शीट को भी नई ऊंचाइयों पर पहुँचा दिया है। पीएफसी अब देश की सबसे अधिक लाभ कमाने वाली गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में मजबूती से उभरी है। पीएफसी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का कंसोलिडेटेड पीएटी 10 प्रतिशत बढ़कर 33,625 करोड़ के ऐतिहासिक स्तर पर पहुँच गया है। वहीं, अगर स्टैंडअलोन आधार पर बात करें तो कंपनी के लाभ में 16 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि देखी गई है, जो अब 20,051 करोड़ हो गया है। पीएफसी की वित्तीय स्थिति वर्तमान में किसी भी पावर सेक्टर की वित्तीय संस्था के मुकाबले सबसे ठोस नजर आ रही है। कंपनी ने अपनी एसेट क्वालिटी में जबरदस्त सुधार किया है। ग्रॉस एनपीए घटकर 0.66 प्रतिशत और नेट एनपीए मात्र 0.13 प्रतिशत रह गया है, जो रिकवरी की सफल रणनीति का प्रमाण है। सीएमडी परमिन्दर चोपड़ा ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि यह वर्ष पीएफसी के लिए मील का पत्थर साबित हुआ है। उन्होंने पीएफसी और आरईसी के प्रस्तावित विलय को गेम–चेंजर बताया। चोपड़ा के अनुसार, यह विलय पावर सेक्टर को एक अधिक मजबूत, कुशल और सक्षम वित्तीय संस्था प्रदान करेगा, जिससे पूंजी क्षमता में भी भारी इजाफा होगा। कंपनी ने अपने निवेशकों का ख्याल रखते हुए 18.55 प्रति शेयर के कुल डिविडेंड की घोषणा की है। टीआरएन एनर्जी और सिन्नर थर्मल जैसे प्रोजेक्ट्स के सफल समाधान ने कंपनी के आत्मविश्वास को और बढ़ाया है। अब पीएफसी का मुख्य फोकस भविष्य की नई तकनीकों और 'एनर्जी ट्रांजिशन' की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने पर है।

सही मटेरियल के साथ सही एसी का चयन इस गर्मी में आपकी बचत बढ़ा सकता है

भारतभर में गर्मी का तापमान बढ़ने के साथ एयर कंडीशनर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। नया एसी खरीदते समय कई उपभोक्ता मुख्य रूप से कीमत या ब्रांड पर ध्यान देते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय तक बिजली बिल में बचत और बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए स्टार लेबल, निर्माण वर्ष, आईइसईईआर(इंडियन सीजनल एनर्जी एफिशिएंसी रेशियो) वैल्यू और एसी में इस्तेमाल किए गए मटेरियल की जांच करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। 1 जनवरी 2026 से ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) ने एयर कंडीशनर्स के लिए संशोधित ऊर्जा दक्षता मानक लागू किए हैं, जो 31 दिसंबर 2027 तक मान्य रहेंगे। इन संशोधित मानकों के अनुसार, 2026 में निर्मित 5–स्टार स्प्लिट एसी के लिए आईइसईईआर वैल्यू 5.6 होना आवश्यक है, जबकि 5–स्टार विंडो एसी के लिए आईइसईईआर वैल्यू 3.7 होनी चाहिए। इसलिए उपभोक्ताओं को एसी खरीदते समय लेबल अवधि की सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए, क्योंकि 2025 में निर्मित 5–स्टार एसी नए 2026 मानकों के तहत प्रभावी रूप से 4–स्टार एसी के बराबर माना जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नवीनतम मानकों के अनुसार निर्मित एसी लगभग 10: अधिक ऊर्जा दक्ष होते हैं, जिससे घरों में समय के साथ बिजली की खपत में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। उद्योग विशेषज्ञ यह भी जोर देते हैं कि हीट एक्सचेंजर्स में इस्तेमाल किया गया मटेरियल एसी की दक्षता और टिकाऊपन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हीट एक्सचेंजर्स में उपयोग होने वाली उन्नत 5 मिमी इनर–ग्रूव्ड कॉपर ट्यूब्स तेजी से हीट एक्सचेंज सुनिश्चित करती हैं, जिससे एसी कम बिजली की खपत के साथ कमरों को अधिक प्रभावी ढंग से ठंडा करता है। कॉपर हीट एक्सचेंजर्स को विशेष रूप से भारत की उष्णकटिबंधीय जलवायु में बेहतर जंग प्रतिरोध क्षमता के कारण अधिक टिकाऊ माना जाता है। इसके अलावा, कॉपर–आधारित हीट एक्सचेंजर्स का रखरखाव और मरम्मत साइट पर ही आसानी से की जा सकती है, जबकि एल्युमिनियम अलॉय माइक्रोचौनल हीट एक्सचेंजर्स में लीकेज होने पर अक्सर पूरे यूनिट को बदलना पड़ता है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार, एल्युमिनियम अलॉय माइक्रोचौनल हीट एक्सचेंजर्स को साफ करना अधिक कठिन होता है, जिससे समय के साथ एसी की दक्षता और स्टार रेटिंग तेजी से घट सकती है, जबकि कॉपर हीट एक्सचेंजर्स लंबे समय तक प्रदर्शन और ऊर्जा दक्षता बनाए रखने में मदद करते हैं। विशेषज्ञ उपभोक्ताओं को पुराने और संशोधित स्टार रेटिंग की सीधे तुलना करने से बचने और खरीदारी से पहले लागू बीईई लेबल अवधि की जांच करने की सलाह देते हैं। हालांकि उच्च रेटिंग वाले एसी की शुरुआती लागत अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है, लेकिन वे कम बिजली बिल, कम रखरखाव खर्च और लंबे उत्पाद जीवन के माध्यम से दीर्घकालिक लाभ प्रदान करते हैं। भारत ऊर्जा दक्षता और टिकाऊ कूलिंग समाधानों पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रहा है, ऐसे में नवीनतम स्टार रेटिंग और कॉपर–आधारित तकनीक वाला सही एसी चुनना घरों और पर्यावरण दोनों के लिए एक समझदारी भरा निवेश साबित हो सकता है।

एमपीडीए के तहत शिरूर के कुख्यात अपराधी सूरज पाडले पर बड़ी कार्रवाई

पुणे – पुणे ग्रामीण पुलिस ने संगठित अपराध और आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शिरूर तहसील के रांजणगाव एमआईडीसी थाना क्षेत्र के कुख्यात अपराधी सूरज राजेश पाडले को महाराष्ट्र प्रिवेंशन ऑफ डेंजरस एक्टिविटीज (एमपीडीए) के तहत नजरबंद कर नागपुर मध्यवर्ती कारागार भेज दिया है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के अपराधियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 26 वर्षीय सूरज राजेश पाडले निवासी सोनेसांगवी, शिरूर लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय था। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा भारतीय हथियार अधिनियम के तहत कुल पांच गंभीर मामले दर्ज हैं। आरोपी पर घातक हथियारों के साथ डकैती और चोरी, अवैध हथियार रखने, व्यापारियों से रंगदारी वसूलने, मारपीट करने और प्रतिबंधित क्षेत्रों में जबरन घुसकर दहशत फैलाने जैसे संगीन आरोप हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी की बढ़ती आपराधिक गतिविधियों से आम नागरिकों में भय का माहौल बन गया था। इसी को देखते हुए रांजणगाव एमआईडीसी पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक महादेव वाघमोडे ने पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल्ल को एमपीडीए के तहत कार्रवाई का प्रस्ताव भेजा था। प्रस्ताव की जांच के बाद इसे जिलाधिकारी कार्यालय को भेजा गया। पुणे के जिलाधिकारी जितेंद्र डुडी ने आरोपी की समाज विरोधी गतिविधियों को गंभीर मानते हुए 12 मई 2026 को उसके खिलाफ स्थानबद्ध करने का आदेश जारी किया। आदेश मिलते ही पुलिस निरीक्षक महादेव वाघमोडे के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर 13 मई 2026 को सूरज पाडले को हिरासत में लिया और कड़ी सुरक्षा के बीच उसे नागपुर सेंट्रल जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल्ल, अपर पुलिस अधीक्षक रमेश चोपडे तथा उपविभागीय पुलिस अधिकारी प्रशांत ढोले के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) के निरीक्षक प्रमोद क्षीरसागर, पुलिस निरीक्षक महादेव वाघमोडे, उपनिरीक्षक अविनाश थोरात सहित पुलिस कर्मचारी महेश बनकर, मोमीन, दत्ता शिंदे, विलास आंबेकर और उमेश कुतवल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुणे ग्रामीण पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले और जनता में दहशत फैलाने वाले अपराधियों के खिलाफ आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। *संवाददाता – ओ.पी. पांडेय*

वैभव सूर्यवंशी को भारतीय ए टीम में मिली जगह

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 9 जून से श्रीलंका की मेजबानी में खेली जाने वाली वनडे ट्राई सीरीज के लिए भारतीय–ए टीम के स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। इस सीरीज के लिए बीसीसीआई ने कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया है, जिसमें सबसे बड़ा नाम 15 साल के बाएं हाथ के ओपनिंग बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का है। इसके अलावा इस ट्राई सीरीज में भारतीय–ए टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी तिलक वर्मा संभालेंगे तो वहीं उपकप्तान रियान पराग को बनाया गया है। भारतीय–ए टीम के अलावा मेजबान श्रीलंका और इस ट्राई सीरीज में तीसरी टीम अफगानिस्तान–ए की है। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 21 जून को खेला जाएगा। आईपीएल 2026 के सीजन में कई युवा भारतीय खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है, जिसमें पंजाब किंग्स की तरफ से खेल रहे ओपनिंग बल्लेबाज प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह का नाम भी शामिल है जिनको ट्राई सीरीज के लिए इंडिया–ए स्क्वाड में जगह मिली है। इसके अलावा स्क्वाड में शामिल अन्य भारतीय खिलाड़ियों को लेकर बात की जाए तो उसमें अंशुल कंबोज, यश ठाकुर, विपराज निगम के अलावा आयुष बडोनी और हर्ष दुबे का नाम शामिल है। तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उपकप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विपराज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान। श्रीलंका में खेली जाने वाले इस ट्राई सीरीज में भारतीय–ए टीम के शेड्यूल को लेकर बात की जाए तो 9 जून को उनका मुकाबला मेजबान श्रीलंका–ए टीम से होगा, जिसके बाद 11 जून को भारतीय–ए टीम को अफगानिस्तान–ए टीम से मुकाबला खेलना है। 15 और 17 जून को भारतीय ए टीम का सामना एकबार फिर से श्रीलंका–ए और अफगानिस्तान–ए टीम से होगा। इस ट्राई सीरीज में टॉप–2 पर खत्म करने वाली टीमों के बीच 21 जून को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस वनडे ट्राई सीरीज के सभी मुकाबले दांबुला के स्टेडियम में खेले जाएंगे। वनडे ट्राई सीरीज खेलने के अलावा भारतीय–ए टीम को इस दौरे पर मेजबान श्रीलंका–ए टीम के खिलाफ 2 रेड बॉल मुकाबले भी खेलने हैं, जिसमें इस सीरीज के लिए बीसीसीआई की तरफ से स्क्वाड का ऐलान बाद में किया जाएगा। इसमें रेड बॉल सीरीज के दोनों ही मुकाबले गाले के स्टेडियम में खेले जाएंगे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संजय दत्त की फिल्म 'आखिरी सवाल' देखने के बाद इसकी तारीफ की

आखिरी सवाल के टीजर और हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर ने दर्शकों के बीच काफी चर्चा बटोरी है। फिल्म की बोल्ड कहानी और जबरदस्त कहानी की हर जगह तारीफ हो रही है। संजय दत्त स्टारर यह फिल्म 15 मई 2026 को थिएटर में रिलीज होने वाली है। संजय दत्त स्टारर 'आखिरी सवाल' 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन गई है। थिएटर में रिलीज से पहले, मेकर्स ने 13 मई को दिल्ली में फिल्म का एक ग्रैंड प्रीमियर ऑर्गनाइज किया था, जो हाल के दिनों में राजधानी में सबसे बड़े फिल्म इवेंट्स में से एक साबित हुआ। दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी इस खास शाम में मौजूद थीं और उन्होंने कास्ट और क्रू के साथ फिल्म का रिव्यू किया। प्रीमियर के बाद उन्होंने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर 'आखिरी सवाल' की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह फिल्म राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल के इंस्पायरिंग सफर को असरदार तरीके से दिखाती है और समाज सेवा के साथ–साथ राष्ट्रवाद जगाने में संघ के योगदान पर रोशनी डालती है। इसके अलावा उन्होंने फिल्म की दमदार कहानी, डायरेक्शन और एक्टर्स की एक्टिंग की भी तारीफ की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ट्वीट में लिखा, "मुझे फिल्म 'आखिरी सवाल' की स्टार कास्ट और टीम के साथ यह खास फिल्म देखने का मौका मिला।" "यह फिल्म राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 साल की प्रेरक यात्रा, राष्ट्र निर्माण, सेवा, संगठन और सांस्कृतिक जागरूकता में इसके योगदान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयास करती है। देश के सामाजिक और वैचारिक जीवन से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घटनाओं को भी गंभीरता के साथ प्रस्तुत किया गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 साल की यात्रा सेवा, संस्कृति, संगठन और राष्ट्र समर्पण की एक अद्भुत यात्रा रही है। हर गाँव और हर गली में संघ के स्वयंसेवकों ने निस्वार्थ भाव से सामाजिक जीवन को व्यवस्थित करने, राष्ट्रीय भावना जगाने और आपदाओं से लेकर सामाजिक उत्थान तक हर क्षेत्र में काम किया है। यह शताब्दी भारत की सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्र निर्माण के अटूट संकल्प का प्रतीक है। इस सार्थक प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक अभिजीत मोहन वारंग, संजय दत्त, अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी और पूरी टीम को हार्दिक बधाई।" 'आखिरी सवाल' को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक अभिजीत मोहन वारंग ने निर्देशित किया है। फिल्म को निखिल नंदा प्रस्तुत कर रहे हैं। निखिल नंदा और संजय दत्त द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म को पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद ने को–प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। फिल्म 15 मई 2026 को थिएटर में रिलीज होने वाली है।

राजीव खंडेलवाल ने गोवा की जिंदगी पर किया मजेदार खुलासा

मुंबई – तुम हो ना – घर की सुपरस्टार के आने वाले एपिसोड में दर्शकों को राजीव खंडेलवाल की कैमरे से दूर, सादगी भरी जिंदगी की झलक मिलेगी। इस दौरान कंटेस्टेंट शिल्पा प्रभुकर ने उन्हें गोवा से ताजे काजू के फल भेंट किए। यह प्यारा तोहफा तुरंत ही एक गर्मजोशी भरी और मजेदार बातचीत की वजह बना, जिसमें राजीव ने खुलकर बताया कि जब वह शूटिंग में व्यस्त नहीं होते, तो अक्सर अपने गोवा वाले घर में पेड़ों से काजू तोड़ते नजर आते हैं। शिल्पा का यह तोहफा देखकर राजीव बेहद खुश हो गए और उन्होंने अपने गोवा वाले घर की यादें ताजा कीं। यह पल और भी खघस बन गया जब राजीव ने काजू के प्रति अपने प्यार और घर के काजू के पेड़ों से जुड़ी अपनी निजी यादों को सबके सामने रखा। ताजा काजू का फल देखते ही उन्होंने तुरंत पहचान लिया और खुलकर बताया कि उन्हें काजू का इस्तेमाल करना कितना अच्छा लगता है, खघसकर हेल्दी जूस बनाने के लिए। काजू और गोवा की यादें साझा करते हुए राजीव खंडेलवाल ने कहा, "मैं काजू को जूस बनाने के लिए इस्तेमाल करता हूं क्योंकि यह बहुत हेल्दी होता है। मेरे गोवा वाले घर में तीन काजू के पेड़ लगे हुए हैं। जब मैं कुछ नहीं कर रहा होता हूं काजू का सीजन होता है, तो मैं स्विमिंग पूल से जो पत्ते उठते हैं न, उनसे काजू इकट्ठा करता हूं।" बातचीत में मजाकिया अंदाज जोड़ते हुए उन्होंने आगे कहा, "आप समझ गए होंगे कि जब मैं काम नहीं कर रहा होता हूं तो क्या कर रहा होता हूं।" उनका यह खुला और दिलचस्प कबूलनामा सेट पर मौजूद सभी के चेहरे पर मुस्कान ले आया। इसने उस पल को और भी यादगार बना दिया और यह दिखाया कि टीवी की चमक–दमक से परे, राजीव की जिंदगी कितनी सादगी और छोटे–छोटे सुखों से भरी है।

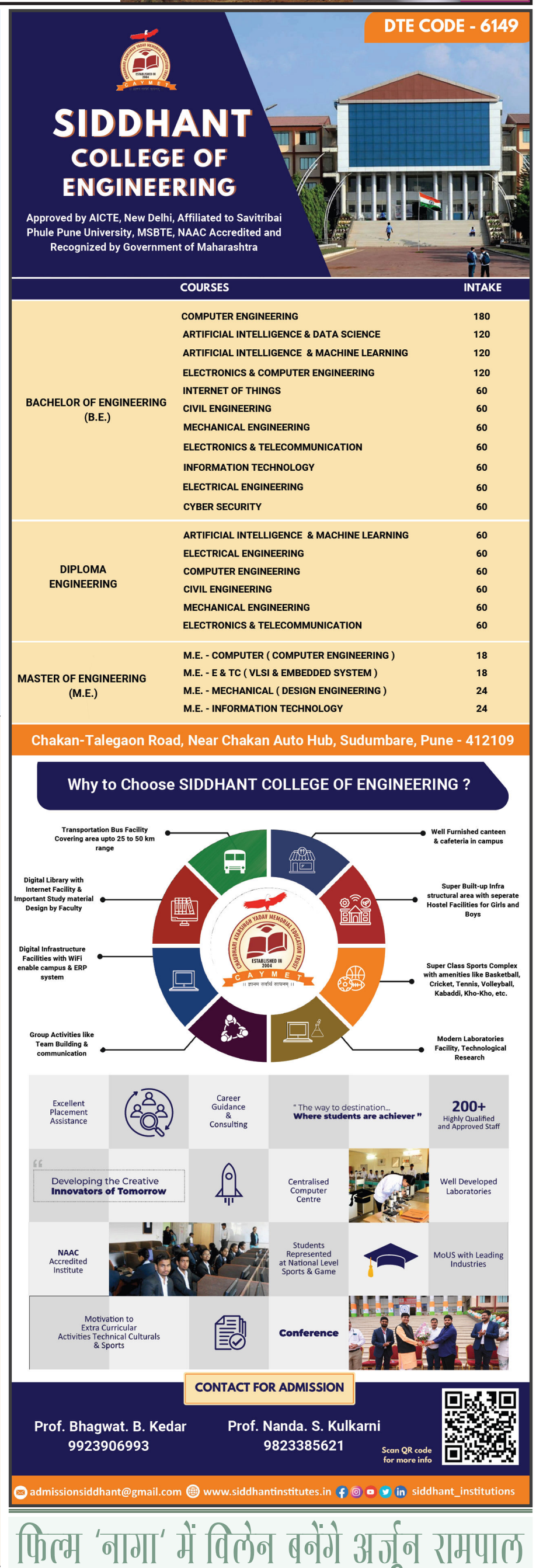

फिल्म 'नागा' में विलेन बनेंगे अर्जुन रामपाल

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता अर्जुन रामपाल इन दिनों अपनी बेहतरीन एक्टिंग और विलेन के किरदारों को लेकर काफी चर्चा में हैं। फिल्म 'धुरंधर' में विलेन के रूप में उनके दमदार अभिनय की हर तरफ तारीफ हो रही है। अब एक खबर सामने आई है, जिसमें अभिनेता के चाहने वालों को खुश कर दिया है। खबरों के अनुसार, अर्जुन रामपाल ने मशहूर फिल्ममेकर अनिल शर्मा की आने वाली फिल्म 'नागा' के लिए हाथ मिला लिया है। इस फिल्म में उत्कर्ष शर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। मेकर्स को एक ऐसे विलेन की तलाश थी जो स्क्रीन पर बेहद दमदार दिखे और कई नामों पर विचार करने के बाद अर्जुन रामपाल को फाइनल किया गया। अनिल शर्मा और उनकी टीम ने अर्जुन के लिए एक बेहद शानदार और मास अपील वाला विलेन का किरदार तैयार किया है। अर्जुन को भी यह रोल काफी पसंद आया और उन्होंने फिल्म के लिए तुरंत हां कर दी। फिल्म 'धुरंधर 2' में उनके शानदार काम को देखते हुए अर्जुन रामपाल ने अपनी फीस बढ़ा दी है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म 'नागा' में विलेन का किरदार निभाने के लिए उन्हें 6 करोड़ रुपये की भारी–भरकम फीस ऑफर की गई है। हालांकि, फिल्म के मेकर्स की तरफ से अभी तक इस फीस को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अर्जुन रामपाल ने हाल ही में रिलीज हुई 'धुरंधर' सीरीज में अपने निगेटिव रोल से दर्शकों का दिल जीत लिया है। इस सीरीज के पहले पार्ट में उनका रोल छोटा था, लेकिन 'धुरंधर 2' में उन्होंने मेजर इकबाल के खतरनाक किरदार से पूरी फिल्म में अपनी गहरी छाप छोड़ी। इस एक्शन फिल्म में अर्जुन रामपाल के साथ रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर माधवन और सारा अर्जुन जैसे बड़े कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।